राकेश कुमार कुंवर

उत्तराखण्ड शासन

निदेशक,
माध्यमिक शिक्षा उत्तराखण्ड
ननूरखेड़ा, देहरादून।

दिनांक : 15 अगस्त 2015

संदेश

सम्मानित साथियों, शिक्षक बन्धु एवं प्यारे बच्चों,

स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर आप सब को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें व आजादी के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि। 15 अगस्त सन् 1947 से आज तक के लगभग 7 दशकों के कालखण्ड में देश ने शैक्षिक, आर्थिक व सामाजिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। जहां एक ओर आर्थिक रूप से भारत विश्व अर्थव्यवस्था में मजबूती से अपनी शाख को बढ़ा रहा है वही दूसरी ओर आज हम मंगल ग्रह पर पहुंचने के साथ ही अन्तरिक्ष विज्ञान मे आत्म निर्भर हो पाये हैं। एक आदर्श शिक्षक, महान वैज्ञानिक व पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम ने स्वतंत्र भारत की परिकल्पना में कहा है "मित्रो, 2020 के भारत को लेकर मैं अपनी परिकल्पना साझा करना चाहता हूं, ताकि समूचा देश अपने मिशनों के जरिये देश के आर्थिक विकास में अपनी सहभागिता निभा सके। 2020 के भारत को लेकर मेरे मन में कल्पना है। यह ऐसा राष्ट्र होगा, जहां शहरी और ग्रामीण आधार पर किसी तरह का भेदभाव नहीं होगा। ऊर्जा और स्वच्छ पानी तक सबकी पहुंच होगी। एक ऐसा राष्ट्र जिसमें कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र एक साथ मिलकर कदम से कदम मिलाकर काम करेंगे। जहां कोई भी प्रतिभाशाली विद्यार्थी सामाजिक व आर्थिक भेदभाव की वजह से गुणवत्ता वाली शिक्षा हासिल करने से वंचित नहीं होगा। सभी के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें होंगी और जहां जिम्मेदारी एवं पारदर्शी प्रशासन होगा। एक ऐसा राष्ट्र जहां गरीबी और निरक्षरता पूरी तरह समाप्त होगी। समृद्ध, स्वस्थ और सुरक्षित राष्ट्र, जिसमें आतंकवाद के लिए कोई जगह न होगी। जो निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा।"

डॉ0 कलाम के इस भारत का निर्माण में आज हम सबको यथाशक्ति योगदान करना है। प्यारे बच्चो, आप सबको आज यह प्रण लेना है कि हम कलाम जी के विजन 2020 के महान राष्ट्र की कल्पना को साकार करने के लिए अपनी पाठ्य पुस्तकीय शिक्षा के साथ–साथ सामाजिक सरोकारों में भी सहभागिता निभायेंगे। माध्यमिक शिक्षा में जहां एक ओर राज्य सरकार ने कई नवाचारी कदम उठायें हैं, वहीं दूसरी ओर शिक्षा को रोजगार परक बनाने के लिए राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के तहत व्यावसायिक शिक्षा प्रारम्भ की जा रही है। शिक्षा की पहुंच सभी को सर्वसुलभ हो इस हेतु प्रत्येक 05 किमी की परिधि में हाईस्कूल स्थापित किया जा रहा है। शिक्षा में ठहराव सुनिश्चित करने के लिए राजीव गांधी अभिनव विद्यालय एक आदर्श पहल है। इन विद्यालयों

में ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्ता युक्त आवासीय सुविधा दी जायेगी। माध्यमिक शिक्षा में शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए शीघ्र ही प्रधानाचार्यों व अध्यापकों की नियमित नियुक्ति की जा रही है। लेकिन तब तक अल्पकालिक शिक्षक (गेस्ट टीचर) की नियुक्ति की गयी है। बोर्ड परीक्षाफल में सुधार हुआ है। लेकिन इसे संतोषजनक ही कहा जा सकता है। इसे उत्कृष्ठ बनाने की आवश्यकता है। इस हेतु मैं सभी शिक्षकों से निवेदन करता हूँ कि कक्षा–कक्ष में ''वॉक–एण्ड–टॉक'' विधि से आगे बढ़कर ''लर्निंग–बाय–डुईंग'' को अपनायें। बच्चों को मात्र रटने की प्रवृत्ति से समझकर और पढ़कर समझने की ओर बढ़ायें। परीक्षा मात्र उत्तीर्ण–अनुत्तीर्ण के लिए न ली जाय बल्कि मूल्यांकन से उपचारात्मकता को आधार बनायें। मेरा समाज के अग्रणी नागरिकों से भी अनुरोध है कि विद्यालयों के सभी क्रियाकलापों में आप सहभागिता निभायें। विद्यालय प्रबन्धन एवं विकास समितियों की भूमिका को प्रभावशाली बनायें। सभी अधिकारी केवल निरीक्षण तक ही सीमित न रहें अपितु अनुश्रवणकर्ता की भूमिका में रहें तथा शिक्षकों व छात्रों का मार्गदर्शन एवं सहयोग करें।

अंत में मैं आप सभी का आह्वाहन करता हूं कि आज के इस पावन दिवस पर महान राष्ट्र की कल्पना को साकार करने के लिए सच्ची निष्ठा से अपने कार्यों का निर्वहन करें तथा ''शिक्षित उत्तराखण्ड, विकसित उत्तराखण्ड'' की ओर कदम बढ़ायें।

––जय हिन्द––

(आर॰के॰ कुँवर)
निदेशक
माध्यमिक शिक्षा उत्तराखण्ड